तेरहवें सत्र में लोक सभा की उत्पादकता 132 प्रतिशत रही: लोक सभा अध्यक्ष

...

तेरहवें सत्र के दौरान लोक सभा की चार बैठकें हुईं, जो 31 घंटे तक चलीं: लोक सभा अध्यक्ष

...

संविधान (128वां संशोधन) विधेयक पर 9 घंटे और 57 मिनट तक चर्चा हुई: लोक सभा अध्यक्ष

...

संविधान (128वां संशोधन) विधेयक पर बहस में 60 सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें 32 महिला सदस्य शामिल हैं, जिसे 2/3 बहुमत से पारित किया गया: लोक सभा अध्यक्ष

...

सत्र के दौरान, एक सरकारी विधेयक लोक सभा में पेश किया गया और एक विधेयक पारित किया गया: लोक सभा अध्यक्ष

...

17वीं लोक सभा का तेरहवां सत्र समाप्त

...

नई दिल्ली, 21 सितंबर, 2023: 18 सितंबर, 2023 को शुरू हुआ 17वीं लोक सभा का तेरहवां सत्र आज संपन्न हो गया।

इस अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि यह सत्र संसदीय इतिहास में एक ऐतिहासिक सत्र के रूप में याद किया जाएगा क्योंकि इस सत्र के दौरान संसद ने नए भवन में अपनी यात्रा आरम्भ की।

सदन के कामकाज के संबंध में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने सभा को सूचित किया कि 18 सितंबर, 2023 को शुरू हुआ सत्र, जिसमें 04 बैठकें थीं, लगभग 31 घंटे तक चला।

श्री बिरला ने बताया कि सत्र के दौरान सदन की उत्पादकता 132 प्रतिशत रही।

श्री बिरला ने यह भी बताया कि सत्र के दौरान एक सरकारी विधेयक पेश किया गया और एक विधेयक पारित किया गया।

श्री बिरला ने सदन को आगे बताया कि 19 सितंबर, 2023 को पेश किए गए संविधान (128वां संशोधन) विधेयक पर चर्चा 9 घंटे और 57 मिनट तक चली। चर्चा में 60 सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें 32 महिला सदस्य शामिल हैं। विधेयक को संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप दो-तिहाई बहुमत से पारित किया गया।

श्री बिरला ने यह भी बताया कि प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई "संविधान सभा से लेकर 75 वर्षों की संसदीय यात्रा - उपलब्धियां, अनुभव, यादें और सीख' विषय पर चर्चा 6 घंटे और 43 मिनट तक चली जिसमे 36 सदस्यों ने भाग लिया।

श्री बिरला ने सूचित किया कि 21 सितंबर, 2023 को केन्द्रीय रक्षा मंत्री ने "चंद्रयान-3 मिशन की सफलता और अंतरिक्ष क्षेत्र में हमारे देश की अन्य उपलब्धियों" विषय पर चर्चा शुरू की जो 12 घंटे और 25 मिनट तक चली और 87 सदस्यों ने इसमें भाग लिया।

अध्यक्ष ने सदन का ध्यान इस ओर भी आकर्षित किया कि लोक सभा की विभाग-संबंधित स्थायी समितियों ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है। सत्र के दौरान, 20 सितंबर, 2023 को निर्देश 73ए के तहत एक वक्तव्य दिया गया।

अध्यक्ष ने सदन को सूचित किया कि लगभग 120 कागजात सदन के पटल पर रखे गए।